स्वतन्त्रता का अर्थ :-

स्वतन्त्रता अंग्रेजी शब्द 'लिबर्टी' (Liberty) लैटिन भाषा 'Liber' (लिबर) से बना है जिसका अर्थ है - 'मुक्तता'। इस प्रकार स्वतन्त्रता का शाब्दिक अर्थ है - इच्छानुसार कार्य करने की स्वतन्त्रता

हॉब्स के अनुसार — "स्वतन्त्रता कानून का अर्थ बन्धनो के अभाव से है।"

लॉक के अनुसार — "स्वतन्त्रता कानून के अतिरिक्त अन्य नियन्त्रणों का अभाव है।"

रूसो के अनुसार — "रूसो सामान्य इच्छा को स्वतन्त्रता मानता है उनके अनुसार- मनुष्य स्वतन्त्र पैदा होता है किन्तु सर्वत्र जंजीरो में जकड़ा है।"

स्वतन्त्रता की संकल्पना :- (उदारवादी दृष्टिकोण)

उदारवादी स्वतन्त्रता के दो पहलु मानते है — ① नकारात्मक स्वतन्त्रता
② सकारात्मक स्वतन्त्रता

1. नकारात्मक स्वतन्त्रता :- प्रतिबन्धो का अभाव अर्थात् यदि कोई व्यक्ति कुछ करना चाहे परन्तु उसे उस काम को करने से रोका जाए उसे नकारात्मक स्वतन्त्रता कहेंगे। नकारात्मक स्वतन्त्रता के बारे में 'मिल' कहते है - लोगो को उनके इच्छा पर छोड़ना उन्हे नियन्त्रण करने से बेहतर है। इन्होने व्यक्ति के कार्यो को दो भागो में बांट है -

1- स्व सम्बन्धित कार्य
2- पर- सम्बन्धित कार्य

↳ स्व सम्बन्धित कार्य में - राज्य को मानव के कार्य स्वतन्त्रता में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नही है। पर -सम्बन्धित कार्य व्यक्ति की स्वतन्त्रता वहीं तक सीमित है जहाँ तक दूसरो का हनन न हों।

↳ हेयक के अनुसार —"प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिगत स्वतन्त्रता प्राप्त है जिसमें अन्य व्यक्ति हस्तक्षेप नही कर सकते।

- सकारात्मक स्वतन्त्रता :- सकारात्मक स्वतन्त्रता में कमजोर वर्गो की समाजिक और आर्थिक असमानताओ दूर करने के लिए प्रयत्न किये जाए ताकि सबको अपने सुख के साधन जुटाने का अवसर मिल सके।

हॉबहाउस के अनुसार — "मानव जीवन का कोई ऐसा पक्ष नही है जो मानव जीवन के लिए महत्वहीन है क्योंकि जो वह है, जो करता या सोचता है, उसके अपने हित को प्रभावित ... के साथ सम्बन्ध है, और होना चाहि...

SHOT ON OPPO

सकारात्मक स्वतन्त्रता के समर्थक	नकारात्मक स्वतन्त्रता के समर्थक
1. बेंथम	1- रूसो
2. J.S. मिल	2. काण्ट
3. आइजिया बर्लिन	3. हीगल
4 - फ्रीडमैन	4. ग्रीन बोसांके
5 - डी. टाकविले	5. बार्कर
6 - स्पेन्सर	6. लास्की
	7. लियोस्ट्रास
	8. मैकफर्सन

स्वतन्त्रता के प्रकार

1- प्राकृतिक स्वतन्त्रता :- यह स्वतन्त्रता राज्य की स्थापना से पूर्व प्रकृति की ओर से लोगो को प्राप्त थी। हाब्स के वर्णन में प्राकृतिक स्वतन्त्रता, जंगल की आजादी का दूसरा नाम है। मानव के कार्यो पर किसी भी प्रकार का प्रतिबन्ध न होना है। प्राकृतिक स्वतन्त्रता की की धारणा रूसो से जुड़ा है। रूसो ने अपनी पुस्तक "Social Contract" में लिखा है कि "मनुष्य स्वतन्त्र पैदा हुआ है किन्तु सर्वत्र जंजीरो में जकड़ा है।"

प्राकृतिक स्वतन्त्रता का सिद्धान्त स्वतन्त्रता को निर्देश मानता है जोकि उचित नही है। क्योकि यदि सभी व्यक्ति स्वतन्त्रता को निर्पेक्ष मानते हुए उसका निरंकुश प्रयोग करने लगेंगे तो इसका परिणाम यह होगा कि सभी की स्वतन्त्रता का अन्त हो जायेगा।

- संयुक्त राज्य अमेरिका की स्वाधीनता की घोषणा और फ्रांस की राज्य की क्रान्ति में प्राकृतिक स्वतन्त्रता की धारणा का प्रतिपादन किया गया था।

सामाजिक स्वतन्त्रता :- यह स्वतन्त्रता समाजिक अधिकारो एवं विशेषाधिकारो से युक्त है। जिन्हे समाज व्यक्ति के जीवन के निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रो में मान्यता देता है तथा राज्य जिसकी सुरक्षा करता है सामाजिक स्वतन्त्रता कई भागो में बटा है —

SHOT ON OPPO

(क) व्यक्तिगत स्वतन्त्रता :- व्यक्तिगत स्वतन्त्रता से यह तात्पर्य है कि व्यक्ति के उन कार्यों पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होना चाहिए जिसका सम्बन्ध केवल उसके ही अस्तित्व से जुड़ा हो।

↳ लॉस्की के अनुसार — "व्यक्तिगत स्वतन्त्रता निजी स्वतन्त्रता का वह पक्ष है जिसका सार मुख्यतः स्वयं व्यक्ति से है। यह जीवन के निजी सम्बन्धों में पूर्ण रूप से उसके अपने विकास का एक अवसर है।

↳ मिल के अनुसार — "अपने ऊपर अपने शरीर, मस्तिष्क और आत्मा पर व्यक्ति सम्प्रभु है।"

(ख) नागरिक स्वतन्त्रता :- नागरिक स्वतन्त्रता वह स्वतन्त्रता है। जिसमे व्यक्ति को अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए कुछ सहुलियते दी जाती है। नागरिक स्वतन्त्रता एक राज्य में रहने वाले सभी व्यक्तियों के लिए है। चाहे वो नागरिक हो या विदेशी।

↳ बार्कर के अनुसार नागरिक स्वतन्त्रता में तीन बातें आती है —

- → दैहिक स्वतन्त्रता (राज्य के द्वारा व्यक्ति के जीवन, स्वास्थ्य में कोई क्षति नहीं पहुँचनी चाहिए)
- → बौद्धिक स्वतन्त्रता (व्यक्ति को विचार अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता होनी चाहिए।)
- → व्यवहारिक स्वतन्त्रता (मनुष्यों के साथ सम्बन्ध स्थापित करने की स्वतन्त्रता।)

(ग) राजनीतिक स्वतन्त्रता :- देश के शासन में सक्रिय रूप से भाग लेना ही राजनीतिक स्वतन्त्रता है। इसके अन्तर्गत — वोट देने का अधिकार।
चुनाव लड़ने का अधिकार।
सरकारी पद प्राप्त करने का अधिकार
सरकार की आलोचना करने का अधिकार
शामिल है।

3 - आर्थिक स्वतन्त्रता

आर्थिक स्वतन्त्रता से यह तात्पर्य है जिसमें व्यक्ति अपने आर्थिक प्रयत्नों का लाभ स्वयं प्राप्त करने में स्वतन्त्र हो।

↳ वर्तमान समय में राजनीतिक स्वतन्त्रता के साथ-साथ आर्थिक स्वतन्त्रता का महत्व बढ़ गया है इसके अन्तर्गत —

SHOT ON OPPO

- नागरिकों को काम करने का अधिकार
- आराम व अवकाश " "
- निर्धारित समय का ,, ,,
- श्रम संगठन के निर्माण का अधिकार
- वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा " "
- समाजिक बीमे की उपलब्धि " "

नेहरू के अनुसार — " भूखे मनुष्यों के लिए मत अथवा वोट का कोई महत्व नही।"

4- राष्ट्रीय स्वतन्त्रता

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता राष्ट्रीय स्वधीनता का दूसरा नाम है। यह प्रत्येक देश का विदेशी आधिपत्य से मुक्त रहने का अधिकार है।

Imp- अमेरिका के लोगों को 1776 में तथा भारत के लोगो को 1947 में राष्ट्रीय स्वतन्त्रता प्राप्त हुई।

परन्तु व्यवहार में राष्ट्रीय स्वतन्त्रता पर कुछ अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिबन्ध होने चाहिए। As- International law आदि ताकि विश्व शान्ति में खतरा उत्पन्न न हो।

5- नैतिक स्वतन्त्रता

नैतिक स्वतन्त्रता, व्यक्ति की उस मानसिकता से है जिसमे वह अनुचित लोभ-लालच के बिना अपना सामाजिक जीवन व्यतीत करने की योग्यता रखता हो। प्लेटो, अरस्तु, रूसो, काण्ट, हीगल, बोसांके आदि सभी ने मनुष्य के विकास के लिए नैतिक स्वतन्त्रता को अनिवार्य माना है। काण्ट ने इसे स्वनिर्धारित कर्तव्य की भावना के आदेश की पूर्ति तथा विवेकसंगत इच्छा की स्वयत्तता कहा है।

↳ हीगल के अनुसार — "नैतिक स्वतन्त्रता राज्य के प्रति सम्पूर्ण निष्ठा के पालन में निहित है।

स्वतन्त्रता की संकल्पना (मार्क्सवादी दृष्टिकोण) :-

स्वतन्त्रता के सम्बन्ध में मार्क्सवादी विचार उदारवादी विचारधारा से भिन्न है। मार्क्सवादी स्वतन्त्रता का अध्ययन ऐतिहासिक तथा समाजशास्त्रीय सन्दर्भ

SHOT ON OPPO

में करता हैं। मार्क्सवादी के अनुसार प्रारम्भ में समाजवादी समाज में सभी व्यक्तियो को पूर्ण स्वतन्त्रता प्राप्त थी परन्तु बाद में वर्ग समाज के उदय ने इसे समाप्त कर दिया।

मार्क्सवादी के अनुसार राज्य एक कृत्रिम संस्था है जिसकी उत्पत्ति सम्पत्तिशाली वर्ग के हितो के रक्षा के लिए हुई है ये मानते हैं जब तक पूँजीवादी व्यवस्था के स्थान पर समाजवादी व्यवस्था नही आ जाती तब तक वास्तविक स्वतन्त्रता सम्भव नही है। मार्क्सवाद के अनुसार - सच्ची स्वतन्त्रता वर्ग भेद की समाप्ती पर ही सम्भव है जिसके लिए वह क्रान्ति द्वारा पूँजीवादी व्यवस्था को समाप्त करने पर जोर देता है।

SHOT ON OPPO